12 राजस्थान की चित्रकला शैलियाँ

1. बणी–ठणी पेन्टिंग के चित्रकार थे –
(1) नागरीदास (2) निहालचंद
(3) एरिक डिक्शन (4) रामसिंह (2)

2. 'उस्ताद' कहलाने वाले चित्रकारों ने भित्ति चित्र किस नगर में बनाये है?
(1) जयपुर में (2) जोधपुर में
(3) उदयपुर में (4) बीकानेर में (4)

3. प्रसिद्ध 'चित्रशाला' .....के गढ़ राजप्रासाद में स्थित है?
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) बूँदी (4) बीकानेर (3)

4. चावण्ड शैली की चित्रकला किसके शासन काल में प्रारम्भ हुई?
(1) महाराणा प्रताप (2) अमरसिंह प्रथम
(3) उदयसिंह (4) जगतसिंह प्रथम (1)

5. चित्रकला के विकास हेतु कार्यरत 'आयाम' व 'कलावृत' संस्थान किस जिले में स्थित है?
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) बूँदी (4) बीकानेर (1)

6. बूँदी की चित्रकला शैली किस महाराजा के काल में चरम पर थी?
(1) राव सुर्जन सिंह (2) जवाहर सिंह
(3) माधो सिंह (4) उम्मेद सिंह (4)

7. चित्रकला शैली और प्रमुख चित्रकारों का कौनसा युग्म असुमेलित है

शैली	चित्रकार
(1) बूँदी शैली–	रामलाल, सुरजन सिंह
(2) मेवाड़ शैली–	चंपालाल, हीरालाल
(3) किशनगढ़ शैली–	अमर चंद, निहालचंद
(4) मारवाड़ शैली–	भाटी देवदास, भाटी शिवदास (2)

व्याख्या– चंपालाल व हीरालाल नामक चित्रकार नाथद्वारा शैली के चित्रकार थे।

8. कौनसा महल मारवाड़ चित्रशैली एवं जनजीवन के चित्रों की अभिव्यक्ति व युद्ध दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है?
(1) मोती महल, जोधपुर (2) तहलटी महल, जोधपुर
(3) तख्त विलास, जोधपुर (4) चोखेलाव महल, जोधपुर (4)

9. राजस्थान शैली की चित्रकला कब विकसित हुई?
(1) 14 वीं शताब्दी (2) 17 वीं शताब्दी
(3) 19 वीं शताब्दी (4) 16 वीं शताब्दी (4)

10. महाराजा रायसिंह के समय चित्रित 'भागवत पुराण' चित्र किस चित्रकला शैली का है?
(1) मेवाड़ शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) जयपुर शैली (4) बीकानेरी शैली (4)

11. प्रसिद्ध चित्रकार धीमा, मीरबक्स, काशी एवं रामलखन राजस्थान की किस चित्रशैली से सम्बन्धित रहे है?
(1) मारवाड़ी शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) नागौर शैली (4) उणियारा शैली (4)

12. मारवाड़ शैली में निर्मित रागमाला चित्रावली 1623 ई. का चित्रांकन किसने किया–
(1) मीर बक्श (2) साहिब राम
(3) पुण्डरीक (4) वीर जी (4)

व्याख्या– वीर जी नामक कलाकार ने पाली के प्रसिद्ध वीर पुरुष 'विट्ठलदास चाँपावत' के लिए 1623 ई. में 'रागमाला चित्रावली' सैट चित्रित किये थे, जो काफी प्रसिद्ध हुए।

13. लम्बा चेहरा, लम्बा कद, लम्बी अंगुलियाँ, नुकीली नाक, पतली कमर, सुराहीदार गर्दन किस चित्रकला शैली की प्रमुख विशेषताएँ है?
(1) मेवाड़ शैली (2) जोधपुर शैली
(3) किशनगढ़ शैली (4) बीकानेर शैली (3)

14. नाथद्वारा चित्रकला शैली किन दो शैलियों का समन्वित रूप है?
(1) किशनगढ़ शैली व मारवाड़ शैली
(2) उदयपुर शैली व ब्रज शैली
(3) बीकानेर शैली व कांगड़ा शैली
(4) देवगढ़ शैली व उदयपुर शैली (2)

15. कैनवास पर प्रकृति के चित्र बनाने के लिए प्रसिद्ध चित्रकार, जिनका जन्म धौलपुर में हुआ, जिनका सर्वोतम चित्र 'फाल ऑफ बर्लिन' है–
(1) श्रीमती प्रतिभा पाण्डे (2) कैलाश चन्द्र शर्मा
(3) ज्योति स्वरूप शर्मा (4) देवकीनन्दन शर्मा (1)

16. राजस्थानी चित्रकला का सबसे पहले वैज्ञानिक विभाजन किसने किया–
(1) डब्ल्यू. एच. ब्राउन (2) एन.सी. मेहता
(3) आनंद कुमार स्वामी (4) ओ.सी. गांगुली (3)

व्याख्या– राजस्थानी चित्रकला का सबसे पहले वैज्ञानिक विभाजन आनंद कुमार स्वामी ने 'राजपूत पेंटिंग्स' नामक पुस्तक में 1916 ई. में किया था।

17. मण्डावा क्यों प्रसिद्ध है–
(1) भित्ति चित्रों के कारण
(2) पिछवाई कला के लिए
(3) सांझी चित्रण के लिए
(4) चमड़े पर चित्रकारी के लिए (1)

18. शेखावाटी क्षेत्र किसलिए प्रसिद्ध है–
(1) हवेलियों पर भित्ति चित्रकला हेतु
(2) हाथी दांत पर चित्रकारी हेतु
(3) पिछवाईयों के निर्माण हेतु
(4) फड़ चित्रण के लिए (1)

व्याख्या– 19वीं सदी के मध्य से लेकर 20वीं सदी के प्रारम्भ तक शेखावाटी क्षेत्र के सेठों ने विशाल हवेलियों का निर्माण करवाया। इस क्षेत्र में फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़, रामगढ़, मुकुन्दगढ़, नवलगढ़, मंडावा, बिसाऊ आदि स्थानों की हवेलियों पर भित्ति चित्रण हुआ है इसलिए शेखावाटी को 'ऑपन एयर आर्ट गैलेरी' कहा जाता है।

Dhindhwal Publication

19. महाराव उम्मेदसिंह के शासनकाल में निर्मित बूँदी चित्र शैली का उत्कृष्ट रूप है–
(1) चित्रशाला (2) अजारा की ओवरी
(3) तस्वीरां रो कारखानो (4) सूरतखाना (1)

20. सूची–I (चित्रकारी शैली) का सूची–II (चित्र) के साथ मिलान करें–

सूची–I	सूची–II
(क) नाथद्वारा शैली	I – ढोला मारू
(ख) किशनगढ़ शैली	II– रागिनी भैरव
(ग) जोधपुर शैली	III– पिछवाई
(घ) बूँदी शैली	IV– बणी ठणी

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	II	III	I	
(3)	III	IV	I	II	
(4)	I	III	II	IV	(3)

21. श्रीलाल जोशी, नंदकिशोर जोशी, प्रकाश जोशी, शांतिलाल जोशी राजस्थान की किस चित्रकला शैली के प्रसिद्ध कलाकार है–
(1) फड़ चित्रकारी शैली (2) पिछवाई पेंटिग्स
(3) फ्रेस्को चित्रकारी (4) लघु ग्रंथ चित्रण (1)

22. राजस्थान में सर्वाधिक प्राचीन उपलब्ध चित्रित ग्रन्थ हैं?
(1) ओध निर्युक्ति वृति (2) दस वैकालिका सुत्र चूर्णि
(3) 1 व 2 दोनों (4) कल्पसुत्र (3)

व्याख्या– ये दोनों चित्र 1060 ई. में चित्रित हैं। ये चित्र जैसलमेर संग्रहालय में रखे हैं। इन दोनों ग्रन्थों को ' भारतीय कला का दीप स्तम्भ' कहा जाता है।

23. किस कलाकार को 'भारतीय चित्रकला का पितामह' कहा जाता है?
(1) रामगोपाल विजयवर्गीय (2) राजा रवि वर्मा
(3) बी. सी. गुई (4) कुन्दनलाल शर्मा (2)

24. सूची–I (चित्रकला शैली) का सूची–II (चित्रकार) के साथ मिलान करें–

सूची–I	सूची–II
(क) कोटा शैली	I – धन्ना, छोटू
(ख) अलवर शैली	II– लालचंद, लक्ष्मणदास
(ग) जयपुर शैली	III– रामप्रसाद, जगमोहन
(घ) किशनगढ़ शैली	IV– डालू, लच्छीराम

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	III	II	I	
(3)	III	IV	I	II	
(4)	I	III	II	IV	(2)

25. मारवाड़ शैली में मुगल प्रभाव किस शासक के समय प्रारम्भ होता है?
(1) सूरसिंह (2) मालदेव
(3) अभयसिंह (4) मानसिंह (1)

26. राजस्थान की वह चित्रकला शैली, जो बाहरी शैलियों से सबसे कम प्रभावित रही है?
(1) कोटा शैली (2) देवगढ़ शैली
(3) बीकानेर शैली (4) जैसलमेर शैली (4)

27. सूची–I (चित्रकला शैली) का सूची–II (चित्रकार) के साथ मिलान करें–

सूची–I	सूची–II
(क) बीकानेर शैली	I – घासीराम, हीरालाल
(ख) जोधपुर शैली	II– बैजनाथ, चोखा
(ग) देवगढ़ शैली	III– अमरदास, शंकरदास
(घ) नाथद्वारा शैली	IV–साहिबदीन, कायम उस्ता

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	III	II	I	
(3)	III	IV	I	II	
(4)	I	III	II	IV	(2)

28. जर्मनी मूल के प्रसिद्ध चित्रकार ए.एच. मूलर को बीकानेर के किस शासक ने अपना राजकीय चित्रकार नियुक्त किया?
(1) डूँगर सिंह (2) सार्दुल सिंह
(3) महाराजा गंगासिंह (4) अनूपसिंह (3)

व्याख्या– ए.एच. मूलर भारत में जन्में जर्मनी मूल के प्रसिद्ध चित्रकार, इनका पुरा नाम आर्किबाल्ड हैरमैन लैन मूलर था। इनका जन्म कोयम्बटूर में 11 मार्च, 1878 को हुआ था। बीकानेर महाराजा गंगासिंह ने इन्हें 1923 ई. में 1100 रुपये प्रतिमाह में राजकीय चित्रकार नियुक्त किया था। इनके बनाए गए चित्र बीकानेर संग्रहालय व मेहरानगढ़ संग्रहालय में मौजूद है।

29. सूची–I (चित्रकला शैली) का सूची–II (स्वर्णकाल) के साथ मिलान करें–

सूची–I	सूची–II
(क) किशनगढ़ शैली	I – उम्मेद सिंह प्रथम
(ख) जैसलमेर शैली	II– महाराव उम्मेद सिंह
(ग) बूँदी शैली	III– मूलराज द्वितीय
(घ) कोटा शैली	IV–सावंत सिंह

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	III	II	I	
(3)	III	IV	I	II	
(4)	I	III	II	IV	(2)

30. मेवाड़ शैली में किस शासक के काल में पहली बार मुगल शैली का प्रभाव पड़ा?
(1) महाराणा जयसिंह (2) संग्राम सिंह द्वितीय
(3) महाराणा तेजसिंह (4) महाराणा जगतसिंह प्रथम (4)

31. निम्न में से कौनसी शैली मेवाड़ स्कूल की उपशैली नहीं है?
(1) देवगढ़ उपशैली (2) शाहपुरा उपशैली
(3) सावर उपशैली (4) भिनाय उपशैली (4)

व्याख्या– भिनाय (अजमेर) उपशैली, मारवाड़ स्कूल की उपशैली है।

32. मेवाड़ शैली में महाराणा उदयसिंह के काल में बना चित्र भागवत पुराण का 'पारिजात अवतरण' किस चित्रकार की कृति है?
(1) नानाराम (2) मनोहर
(3) जीवाराम (4) कृपाराम (1)

33. किस शासक का शासनकाल 'राजस्थान में कलाओं का स्वर्णिम युग' माना जाता है?
(1) महाराणा कुम्भा (2) महाराणा राजसिंह
(3) महाराजा अनूपसिंह (4) सवाई जयसिंह (1)

व्याख्या– राजस्थान की कलाओं का स्वर्णिम युग महाराणा कुंभा का शासनकाल माना जाता है। इसी कारण कुंभा को 'राजस्थान में चित्रकला का जनक' कहा जाता है।

34. राजस्थान में एकल चित्र प्रदर्शनी की परम्परा की शुरूआत करने वाले चित्रकार है?
(1) रामगोपाल विजयवर्गीय (2) प्रतिभा पाण्डे
(3) राजा रवि वर्मा (4) बद्रीलाल सोनी (1)

व्याख्या– इनका जन्म 1905 ई. में बालेर (सवाई माधोपुर) में हुआ था। इन्होने 1924 में 'महाराजा स्कूल ऑफ आर्टस्' जयपुर से चित्रकला का डिप्लोमा किया। 1970 में इन्हें राजस्थान ललित कला अकादमी का 'कलाविद' सम्मान मिला। 1984 में इन्हें 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया।

35. राजस्थान के किस क्षेत्र की हवेलियाँ 'फ्रेस्को पेंटिग' के लिए प्रसिद्ध है?
(1) मेवाड़ (2) मारवाड़
(3) बीकानेर (4) शेखावाटी (4)

36. निम्न में से कौनसा युग्म असुमेलित है?

चित्रकार	जिला
(1) गोवर्धन लाल 'बाबा'	– उदयपुर
(2) रामगोपाल विजयवर्गीय	– सवाई माधोपुर
(3) भूरसिंह शेखावत	– बीकानेर
(4) वीरबाला भावसार	– बाँसवाड़ा (1)

व्याख्या– गोवर्धन लाल 'बाबा'– कांकरोली (राजसमंद)

37. बाँसवाड़ा की रहने वाली किस कलाकार ने रेत और फेविकॉल के माध्यम से चित्र बनाने की एक नई कला का ईजाद किया है?
(1) डॉ. वीरबाला भावसार (2) बद्रीलाल सोनी
(3) भूर सिंह शेखावत (4) ज्योति स्वरूप शर्मा (1)

38. भित्ति चित्रण की वह विधि, जिसमें पलस्तर की हुई भित्ति के पूर्ण रूप से सूखने के बाद उस पर चित्रकारी की जाती है?
(1) फ्रेस्को बुनो (2) फ्रेस्को सेको
(3) साधारण फ्रेस्को (4) उपरोक्त सभी (2)

39. अलवर शैली के प्रारम्भिक चित्रकार थे?
(1) शिवकुमार व डालूराम (2) मूलचंद व उदयराम
(3) बलदेव व गुलाम अली (4) रामप्रसाद व जगमोहन (1)

व्याख्या– अलवर शैली का प्रारम्भ जयपुर से पृथक होकर राव राजा प्रतापसिंह के समय में 1775 ई. में हुआ था। प्रतापसिंह के समय शिवकुमार व डालूराम नामक दो चित्रकार जयपुर से अलवर आए थे।

40. जयपुर से पृथक होकर अलवर शैली का प्रारम्भ किस शासक के समय हुआ?
(1) विनयसिंह (2) बलवन्त सिंह
(3) प्रतापसिंह (4) मंगलसिंह (3)

41. किस शासक का काल जयपुर शैली का 'स्वर्णकाल' माना जाता है?
(1) सवाई जयसिंह (2) ईश्वरी सिंह
(3) रामसिंह द्वितीय (4) सवाई प्रतापसिंह (4)

42. शेखावाटी क्षेत्र में भवन निर्माण करने वाले शिल्पी, जो भित्ति चित्रण का कार्य भी करते थे, किस नाम से जाने गये?
(1) हाळी (2) वसली
(3) चेजारा (4) लखारा (3)

43. राजस्थान के प्रसिद्ध चित्रकला विद्यालय 'महाराजा स्कूल ऑफ आर्टस्' की स्थापना 1857 ई. में कहाँ पर की गई थी?
(1) उदयपुर (2) अलवर
(3) जोधपुर (4) जयपुर (4)

व्याख्या– राजस्थान के प्रसिद्ध चित्रकला विद्यालय 'महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट्स' की स्थापना 1857 ई. में महाराजा रामसिंह द्वितीय द्वारा जयपुर में की गई थी।

44. बूँदी चित्रकला शैली का सर्वाधिक विकास किस शासक के काल में हुआ, इन्ही के समय यहाँ सर्वाधिक चित्र चित्रित हुए–
(1) अनिरूद्ध सिंह (2) रतनसिंह
(3) राव सुर्जन सिंह (4) भावसिंह (3)

45. विभिन्न रियासतों के शासक व उनके समय के प्रसिद्ध चित्रकारों का कौनसा युग्म असुमेलित है?
(1) महाराजा मानसिंह (जोधपुर)– अमरदास, शंकरदास
(2) रायसिंह (बीकानेर)– अली राजा उस्ता, हामिद रूकनुद्दीन
(3) जगतसिंह प्रथम (उदयपुर)– नसीरूद्दीन, साहिबदीन
(4) ईश्वरी सिंह (जयपुर)– शिवकुमार, डालूराम (4)

व्याख्या– जयपुर शासक ईश्वरी सिंह के समय के प्रसिद्ध चित्रकार लालचंद व साहिबराम थे। शिवकुमार व डालूराम अलवर शैली में राव राजा प्रतापसिंह के चित्रकार थे।

46. राजस्थान की चित्रकला शैली व प्रमुख वृक्ष का कौनसा युग्म असुमेलित है?
(1) कोटा व बूँदी शैली– खजूर वृक्ष
(2) जयपुर शैली– पीपल व वट वृक्ष
(3) जोधपुर व बीकानेर शैली– केला
(4) मेवाड़ शैली– कदम्ब वृक्ष (3)

व्याख्या– जोधपुर व बीकानेर शैलियों में आम वृक्ष का सर्वाधिक चित्रांकन मिलता है। नाथद्वारा व किशनगढ़ शैलियों में केले का सर्वाधिक चित्रांकन मिलता है।

47. 'बणी–ठणी' चित्र की एक मौलिक प्रति राजस्थान के किस संग्रहालय में प्रदर्शित है?
(1) अल्बर्ट हॉल, जयपुर (2) अजमेर संग्रहालय
(3) किशनगढ़ संग्रहालय (4) जैसलमेर संग्रहालय (3)

48. किस चित्रशैली में पशु–पक्षियों की बहुतायत रहती है?
(1) नाथद्वारा चित्रशैली (2) बूँदी चित्रशैली
(3) बीकानेर चित्रशैली (4) जयपुर चित्रशैली (2)

49. निम्नलिखित में से कौनसी राजस्थानी चित्रकला शैली चौर पंचसिका शैली से मिलती–जुलती है?
(1) किशनगढ़ शैली (2) जोधपुर शैली
(3) मेवाड़ शैली (4) बीकानेर शैली (3)

50. निम्न में से किसे 'पहाड़ों के जादुई सम्मोहन का चितेरा' कहा जाता है?
(1) जगमोहन माथोड़िया (2) बी.सी. गुई
(3) पं. सुरेश शर्मा (4) परमानन्द चोयल (2)

व्याख्या– बी.सी. गुई का पुरा नाम भवानी चरण गुई है। इनका जन्म वाराणसी में हुआ, पर इनका कार्यक्षेत्र राजस्थान रहा है।

Lead, Read and Achieve
Dhindhwal Publication

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती मुख्य परीक्षा– 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

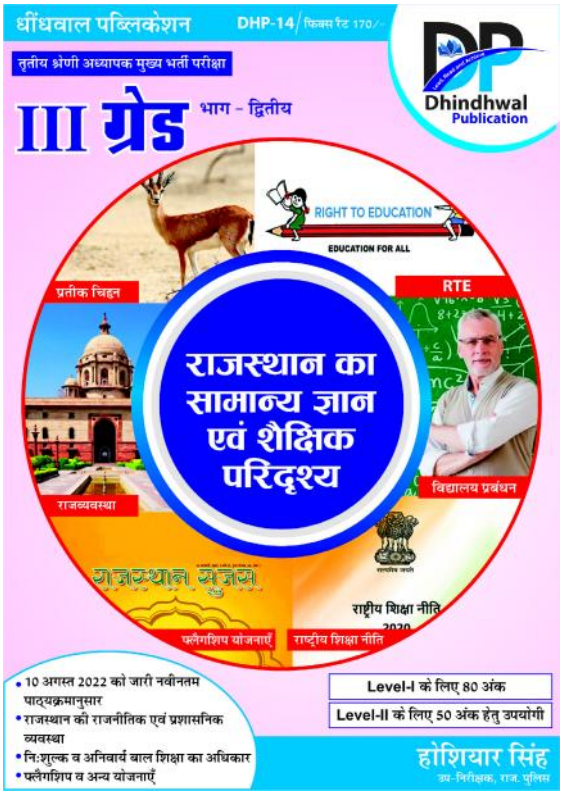

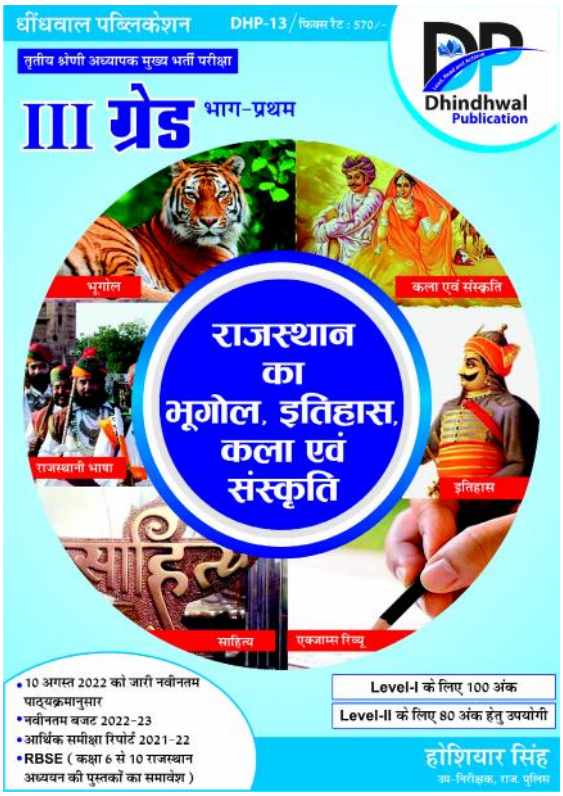

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।

12 राजस्थान में अपवाह व नदियाँ

1. चम्बल की निम्न सहायक नदियों में कौनसी नदी बायें किनारे पर नहीं मिलती है ?
(1) बनास (2) मेज
(3) बामनी (4) पार्वती (4)

व्याख्या– पार्वती नदी पाली घाट (सवाई माधोपुर) के पास चम्बल नदी में दाहिने किनारे पर मिलती है।

2. चम्बल नदी पर मुहाने से उद्गम की ओर बाँधों का सही क्रम है ?
(1) गाँधी सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर,कोटा बैराज
(2) राणा प्रताप सागर,गाँधी सागर, जवाहर सागर,कोटा बैराज
(3) कोटा बैराज, जवाहर सागर, राणा प्रताप सागर,गाँधी सागर,
(4) जवाहर सागर, कोटा बैराज, राणा प्रताप सागर,गाँधी सागर (3)

3. सहायक नदियों के सम्बंध में निम्न मे से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?
(1) माही– चाप (2) कालीसिंध– चन्द्रभागा
(3) बनास– सागी (4) पार्वती– बैंथली (3)

व्याख्या– सागी/सगाई नदी लूणी नदी की सहायक नदी है।

4. झालावाड़ में मनोहरथाना का किला किन दो नदियों के संगम पर बना है?
(1) माही, जाखम (2) सोम, माही
(3) चंबल, बनास (4) परवन, कालीखाड़ (4)

5. राज्य में बहने वाली वह नदी जो राजस्थान–मध्यप्रदेश के मध्य लगभग 252 किमी. लम्बी सीमा बनाती है –
(1) माही (2) बनास
(3) यमुना (4) चम्बल (4)

व्याख्या– चम्बल नदी पाली घाट (सवाईमाधोपुर) से पिनाहट (उत्तरप्रदेश) तक राजस्थान व मध्यप्रदेश की सीमा पर बहती है।

6. गागरोन (झालावाड़) का प्रसिद्ध जल दुर्ग किन नदियों के संगम पर है–
(1) सोम, माही, जाखम (2) कालीसिंध व आहू
(3) चम्बल व बनास (4) चन्द्रभागा–कालीसिंध (2)

7. राजस्थान के किस सम्भाग में सर्वाधिक नदियाँ बहती है?
(1) कोटा (2) उदयपुर
(3) जयपुर (4) भरतपुर (1)

8. किस नदी का उद्गम स्थल उदयनाथ की पहाड़ियों (अलवर) से है ?
(1) गंभीर (2) बाणगंगा
(3) साबी (4) रूपारेल (4)

9. निम्न में से कौनसी नदी अन्त:प्रवाही नदी नहीं है ?
(1) कांतली (2) काकनी
(3) सूकड़ी (4) साबी (3)

व्याख्या– सुकड़ी नदी अन्त:प्रवाह की नदी नहीं है, यह लूनी नदी की सहायक नदी है।

10. वह नदी जिसका उद्गम मध्यप्रदेश से होता है और जो अपना जल खम्भात की खाड़ी में उडेलती है ?
(1) पार्वती (2) साबरमती
(3) माही (4) कालीसिन्ध (3)

11. कौनसी नदी सवाईमाधोपुर जिले में से नहीं बहती है ?
(1) बनास (2) मोरेल
(3) गंभीर (4) गंभीरी (4)

व्याख्या– गंभीरी नदी मध्यप्रदेश में उद्गम होने के बाद चित्तौड़गढ़ जिले में प्रवेश करती है, यह केवल राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले में ही बहती है।

12. कौनसी नदी डूँगरपुर व बाँसवाड़ा के बीच सीमा बनाती हुई बहती है ?
(1) मोरेल (2) साबरमती
(3) माही (4) सोम (3)

13. कोठारी नदी का उदगम स्थल है ?
(1) गोगुन्दा की पहाड़ियाँ (2) दिवेर की पहाडियाँ
(3) बिजराल की पहाड़ियाँ (4) बैराठ की पहाडियाँ (2)

14. राजस्थान में नदियों के त्रिवेणी संगम वाले जिले कौन–कौनसे हैं ?
(1) सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर
(2) भीलवाड़ा, टोंक, डूँगरपुर
(3) उदयपुर, डूँगरपुर, सवाईमाधोपुर
(4) टोंक, भीलवाड़ा, करौली (2)

15. नदी व उसके किनारे पनपी प्राचीन सभ्यताओं के निम्न युग्मों में से असंगत युग्म कौनसा है ?
(1) आयड़– आहड़ सभ्यता
(2) कोठारी– बागोर सभ्यता
(3) बनास – गिलूण्ड सभ्यता
(4) कांतली– जोधपुरा सभ्यता (4)

व्याख्या– जोधपुरा सभ्यता राजस्थान में साबी नदी के किनारे स्थित है। साबी नदी अलवर जिले की सबसे बड़ी नदी है।

16. राजस्थान की अन्त:प्रवाह की सबसे बड़ी नदी है ?
(1) कांतली (2) घग्घर
(3) लूणी (4) साबी (2)

17. निम्न में से कौनसी नदी साबरमती की सहायक नहीं है?
(1) वाकल (2) हाथमती
(3) अनास (4) वेतरक (3)

व्याख्या– अनास नदी का उद्गम आम्बेर गाँव (मध्य प्रदेश) से होता है और मेलेड़ी खेड़ा (बाँसवाड़ा) से राजस्थान में प्रवेश करती है और यह माही नदी की सहायक नदी है।

18. कौनसी नदी अपने उद्गम स्थल पर सागरमती के नाम से जानी जाती है?
(1) घग्घर (2) माही
(3) लूणी (4) साबरमती (3)

19. लूनी की सहायक नदियों में से कौनसी नदी अरावली की मुख्य पर्वतमाला से नहीं निकलती है ?
(1) लीलड़ी (2) मीठड़ी (3) जोजड़ी (4) सुकड़ी (3)

व्याख्या– जोजड़ी नदी पुंदलु गाँव (नागौर) से निकलती है। जोजड़ी नदी लूनी नदी में दाहिने किनारे पर मिलती है, लूनी की शेष सभी सहायक नदियाँ बाँये किनारे पर मिलती हैं।

20. निम्न में से कौनसा बाँध बनास नदी पर नहीं है ?
(1) नदसमंद बाँध (2) बीसलपुर बाँध
(3) ईसरदा बाँध (4) नारायण सागर बाँध (4)

व्याख्या– नारायण सागर बाँध जालिया द्वितीय गाँव (अजमेर) में खारी नदी पर निर्मित है।

21. बांकली बाँध जालौर जिले में किस नदी पर बनाया गया है?
(1) सूकड़ी (2) जवाई
(3) लूनी (4) बांडी (1)

22. सुमेलित कीजिये –

नदी किनारे बसे नगर	नदी
(क) कोटा	(1) जवाई
(ख) बालोतरा	(2) चम्बल
(ग) सुमेरपुर	(3) लूनी
(घ) आसींद	(4) खारी

	क	ख	ग	घ	
(1)	1	4	2	3	
(2)	1	4	3	2	
(3)	2	3	4	1	
(4)	2	3	1	4	(4)

23. कांठल की गंगा किसे कहते हैं –
(1) बेड़च (2) माही
(3) चंबल (4) बनास (2)

24. बनास नदी का उपनाम नहीं है –
(1) कामधेनु (2) वन की आशा
(3) वशिष्ठी (4) वर्णाशा (1)

व्याख्या– कामधेनु उपनाम से राजस्थान में चम्बल नदी को जाना जाता है।

25. घोसुण्डा बाँध किस नदी पर बना है?
(1) मोरेल (2) बेड़च
(3) खारी (4) गंभीरी (2)

26. जोजड़ी किस जिले की मुख्य नदी है?
(1) जोधपुर (2) पाली
(3) सिरोही (4) जालौर (1)

27. राजस्थान में अपवाह तंत्र कितने प्रकार का है?
(1) 2 (2) 3
(3) 4 (4) 5 (2)

व्याख्या– प्रवाह के आधार पर राजस्थान की अपवाह प्रणाली को 3 भागों में बांटा जा सकता है। 1. बंगाल की खाड़ी की ओर जाने वाली नदियाँ 2. अरब सागर की ओर जाने वाली नदियाँ 3. आंतरिक जल प्रवाह की नदियाँ ।

28. जवाई बाँध में पानी की आवक बढ़ाने हेतु उदयपुर जिले में निर्मित बाँध का नाम है–
(1) जाखम बाँध (2) सेई बाँध
(3) पाँचना बाँध (4) बारेठ बाँध (2)

29. राजस्थान के वे दो जिले जिनमें कोई नदी नहीं है–
(1) जैसलमेर तथा बाड़मेर (2) जैसलमेर तथा जालौर
(3) बीकानेर तथा चुरू (4) जोधपुर एवं जैसलमेर (3)

30. उदयपुर के दक्षिण–पश्चिमी भाग का प्रवाहित पानी किस नदी के सहारे अरब सागर में जाकर गिरता है–
(1) माही नदी (2) बनास नदी
(3) साबरमती नदी (4) जाखम नदी (3)

31. घग्घर नदी कहाँ से निकलती है–
(1) शिवालिक की पहाड़ियाँ (शिमला, हिमाचल प्रदेश)
(2) गोरिया गाँव (बाली, पाली)
(3) खंडेला की पहाड़िया (सीकर)
(4) कोटारी गाँव (जैसलमेर) (1)

32. निम्न में कौनसी नदी साबरमती की सहायक नहीं है
(1) हरण (2) हरनाव
(3) सेई (4) वाकल (1)

व्याख्या– हरण नदी अनास नदी की सहायक नदी है। अनास व हरण पर बाँध बनाकर 45 मेगावॉट विद्युत का उत्पादन किया जाता है।

33. कौनसी नदी का उद्गम भीलवाड़ा से नहीं है
(1) खारी (2) मेनाल
(3) कुराल (4) मेज (1)

व्याख्या– खारी नदी का उद्गम बिजराल गाँव की पहाड़ियाँ (राजसमंद) से होता है।

34. रामेश्वर घाट त्रिवेणी संगम कहाँ है –
(1) डूँगरपुर (2) भीलवाड़ा
(3) सवाई माधोपुर (4) उदयपुर (3)

व्याख्या– रामेश्वर घाट में बनास, चम्बल व सीप नदियों का त्रिवेणी संगम है।

35. बनास नदी किस जिले में सर्पाकार आकृति धारण करती है?
(1) सवाई माधोपुर (2) भीलवाड़ा
(3) टोंक (4) कोठारी (3)

36. किस नदी का विस्तार बहावलपुर (पाकिस्तान) में हकरा नाम से जाना जाता है–
(1) काँतली (2) काकनी
(3) घग्घर (4) लूनी (3)

37. भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़) में बामनी नदी के मिलने के बाद कौनसी नदी चूलिया प्रपात बनाती है –
(1) बनास (2) बाणगंगा
(3) चम्बल (4) काली सिंध (3)

38. 'छप्पन के मैदान' का निर्माण कौनसी नदी करती है?
(1) माही (2) बनास
(3) लूनी (4) बाणगंगा (1)

39. मध्यप्रदेश के धार जिले (अमरोरू) से विंध्याचल की पहाड़ियों में मेहद झील से किस नदी का उद्गम होता है –
(1) सोम (2) माही
(3) बनास (4) बेड़च (2)

40. कौनसी नदी सीकर व झुंझनुँ में बहने के बाद चुरू की सीमा पर जाकर विलुप्त हो जाती है तथा झुंझनुँ को दो भागों में बांटती है –
(1) काकनी (2) काँतली
(3) बेड़च (4) गंभीरी (2)

व्याख्या– काँतली नदी का उद्गम खण्डेला की पहाड़ियाँ (सीकर) से होता है। काँतली नदी का प्रवाह क्षेत्र 'तोरावाटी' कहलाता है।

Dhindhwal Publication

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती मुख्य परीक्षा– 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

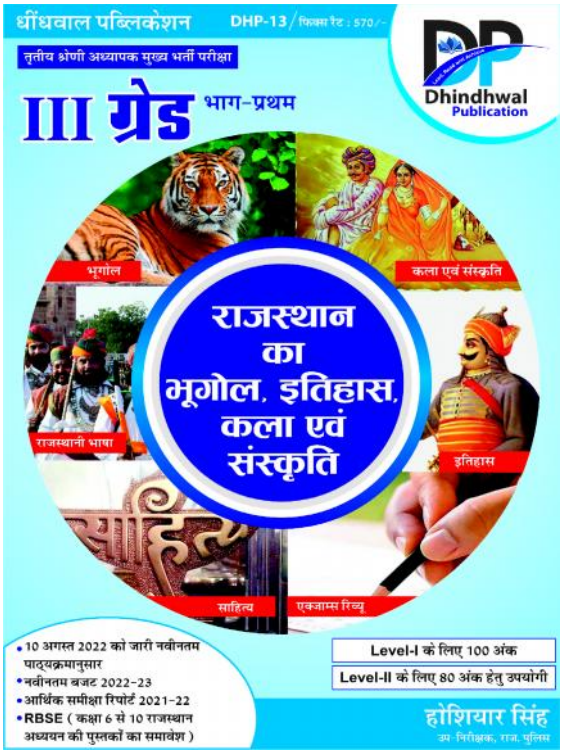

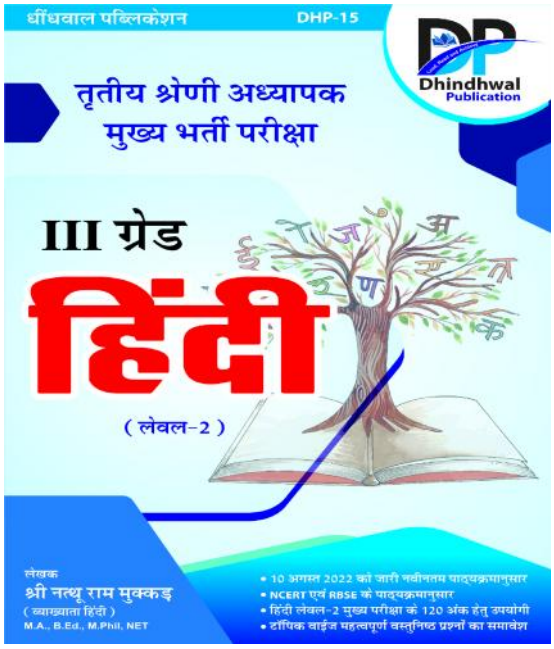

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।